aglasem.com

कक्षा १२ भूगोल नोट्स

भारत : लोग एवं अर्थव्यवस्था - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

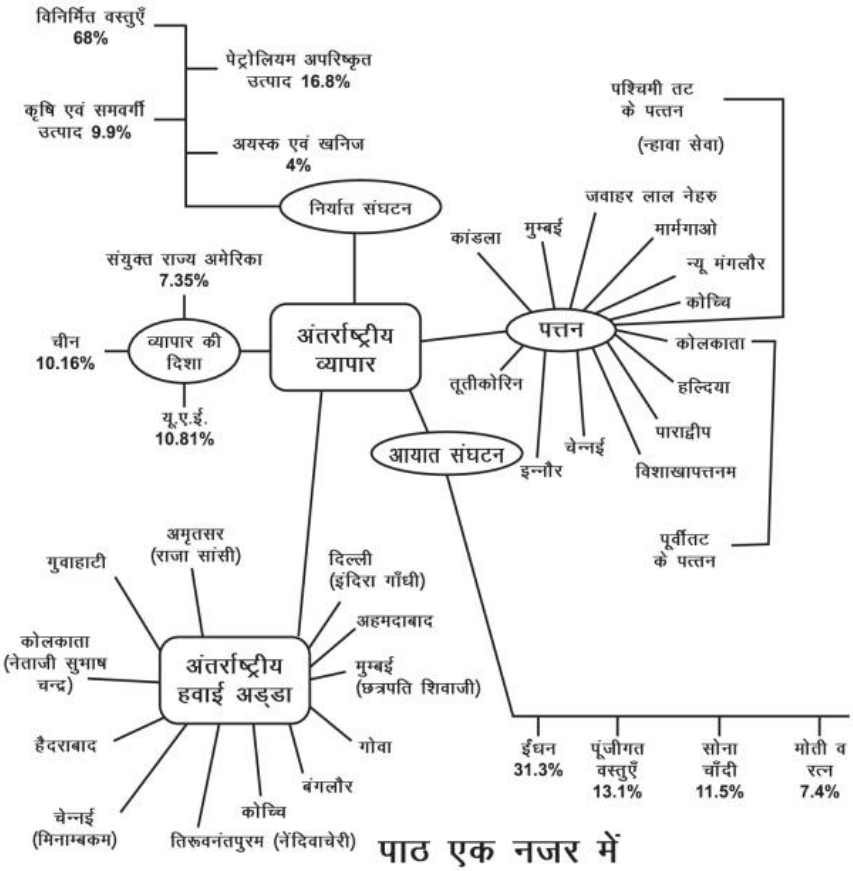
Key Notes and Important Questions with Answers



अध्याय–11

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

अवधारणा मानचित्र



पाठ एक नजर में

- वस्तुओं के क्रय विक्रय को व्यापार कहते हैं। यह सामान्यतः दो प्रकार का होता है – राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय।
- राष्ट्रीय व्यापार के अन्तर्गत वस्तुओं का क्रय विक्रय देश के एक भाग से दूसरे भाग में किया जाता है जबकि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अन्तर्गत वस्तुओं का क्रय–विक्रय अन्तर्राष्ट्रीय (देश के बाहर) स्तर पर होता है।
- जब किसी वस्तु को देश से बाहर भेजा जाता है तो उसे निर्यात और किसी

वस्तु को दूसरे देश से मँगाया जाता है तो उसे आयात कहते हैं।

- आयात व निर्यात के सन्तुलन को व्यापार सन्तुलन कहते हैं।
- यदि आयात् निर्यात से कम हो तो व्यापार सन्तुलन पक्ष में होता है और यदि आयात निर्यात से अधिक होता है तो व्यापार सन्तुलन विपक्ष में होता है।
- भारत के पूर्वी तट के पत्तन–कोलकत्ता, हल्दिया, पराद्वीप, विशाखापट्नम, चेन्नई व तूतीकोरिन।
- भारत के पश्चिमी तट के पतन–मुम्बई, न्हावाशेवा (जवाहरलाल नेहरू), कांडला, मार्मागाओं व कोच्चि तथा मंगलोर।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सभी देशों के लिए परस्पर लाभदायक होता है। क्योंकि कोई भी देश आत्मनिर्भर नहीं है।
- यद्यपि विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी कुल मात्रा का केवल एक प्रतिशत है। तथापि विश्व की अर्थ व्यवस्था में इसकी एक महत्वपूर्ण भूमिका है।
- वर्ष 1950–51 में भारत के वैदेशिक व्यापार का मूल्य 1214 करोड़ रूपये था जो 2009–2010 में बढ़कर 2209270 करोड़ रूपये हो गया जो लगभग 1820 गुना बढ़ गया है।
- वैसे तो भारत में आयात एवं निर्यात दोनों की ही मात्रा में वृद्धि हुई है परन्तु निर्यात की अपेक्षा आयात का मूल्य अधिक है।
- व्यापार घाटे में हुई इस वृद्धि के लिए अपरिष्कृत पेट्रोलियम को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।
- भारत में आयात की प्रमुख वस्तुएँ ईंधन, पूंजीगत वस्तुएँ, बहुमूल्य रत्न, सोना चाँदी, रसायन, उर्वरक आदि प्रमुख हैं।
- भारत ने हाल के वर्षों में व्यापार में विविधता की नीति अपनाई है। इस नीति के कारण ही भारत को वैश्विक संकट से संभालने में मदद मिली है।
- भारत का अधिकतर विदेशी व्यापार समुद्री एवं वायु मार्गों द्वारा संचालित होता है। व्यापार का छोटा–सा भाग नेपाल, भूटान, बांग्लादेश एवं पाकिस्तान से सड़क मार्ग द्वारा भी होता है।
- वर्तमान में भारत के पास 12 प्रमुख एवं 185 छोटे व मझोले पत्तन है। देश के 12 प्रमुख पत्तन देश के महासागरीय यातायात का 71% भाग निपटा देते हैं।

- लम्बी दूरी वाले उच्च मूल्य वाले या नाशवान सामान को कम समय में ले जाने व निपटाने के लिए वायु परिवहन उपयुक्त है।

एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1. पिछले कुछ वर्षो में भारत में व्यापार घाटे में वृद्धि हुई है। घाटे में हुई इस वृद्धि का कारण बताइए।

उत्तर : अपरिष्कृत (क्रूड) पेट्रोलियम की खरीदारी

प्रश्न 2. भारत के व्यापार में परंपरागत वस्तुओं के व्यापार में गिरावट आई है इस गिरावट का मुख्य कारण बताइए।

उत्तर : परम्परागत वस्तुओं के व्यापार में गिरावट का मुख्य कारण कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा है।

प्रश्न 3. वे कौन से देश हैं जिनसे भारत स्थल मार्ग से व्यापार करता है?

उत्तर : नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, चीन व बांग्लादेश।

प्रश्न 4. महाराष्ट्र, तमिलनाडु व पं. बंगाल के एक–एक पोताश्रय का नाम बताइये जिनका निर्माण पहले से स्थापित पोताश्रयों का दबाव कम करने के लिए किया गया।

उत्तर : महाराष्ट्र – जवाहर लाल नेहरू पत्तन

तमिलनाडु – ऐन्नोर

पं. बंगाल – हल्दिया

प्रश्न 5. भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश कौन सा है?

(CBSE-2014)

उत्तर : संयुक्त अरब अमीरात (UAE) है।

प्रश्न 6. मुम्बई पत्तन का दबाव कम करने के लिये किस अनुषंगी पत्तन को विकसित किया गया?

अथवा

स्ववन्त्रता के तुरन्त बाद भारत के परिचमी तट पर बनाये गये प्रमुख सउदी पत्तन का नाम बताइए।

उत्तर : न्हावाशेवा में जवाहर लाल नेहरू पत्तन को।

प्रश्न 7. जुआरी नदमुख (मुहाने) पर कौन–सा पत्तन है?

उत्तर : गोवा का मार्मागोआ पत्तन है जो कि प्राकृतिक पत्तन है।

प्रश्न 8. काँडला पत्तन से मुख्य रूप से किन वस्तुओं का आयात किया जाता है?

उत्तर : पेट्रोलियम तथा पेट्रोलियम उत्पाद एवं उर्वरकों का आयात किया जाता है।

प्रश्न 9. भारतीय पत्तनों में से कौन–सा समुद्री पत्तन स्थल रूद्ध देशों को पत्तन सुविधाएं प्रदान करता है? ऐसे किसी एक देश का नाम बताइये?

उत्तर : भारतीय पत्तनों में से ''कोलकाता पत्तन' सुविधाएं प्रदान करता है। पड़ोसी देश नेपाल व भूटान।

प्रश्न 10. भारत की निर्यात सूची में किस मद में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

उत्तर : इंजीनियरिंग सामानों की।

प्रश्न 11. 1970 के दशक के बाद खाद्यानों के आयात की जगह किन उत्पादों का आयात बढ़ गया।

उत्तर : पैट्रोलियम उत्पाद तथा उर्वरक।

प्रश्न 12. भारतीय पत्तनों में से सबसे पुराना व कृत्रिम पत्तन कौन सा है?

उत्तर : चेन्नई पत्तन।

प्रश्न 13. भारत में एक भू–आबद्ध पत्तन का नाम बताओ?

अथवा

भारत के पूर्वीतट पर कौनसा प्रमुख समुद्री पत्तन भू–आषद्व है?

(CBSE-2016)

उत्तर : आन्ध्र प्रदेश में विशाखपत्तनम।

प्रश्न 14. कोलकत्ता पत्तन की संकुलता को घटाने के लिए बनाए गए समुद्री पत्तन का नाम बताइए। (CBSE-2014)

उत्तर : हल्दिया।

प्रश्न 15. अरब सागर की रानी किसे कहा जाता है इसके मुहाने पर स्थित एक प्राकृतिक पत्तन का नाम बताइए।

उत्तर : बेवानद कयाल को अरब सागर की रानी कहा जाता है। इसके मुहाने पर स्थित प्राकृतिक पत्तन का नाम कोच्चि है।

प्रश्न 16. भारत का सबसे अधिक निर्यात व्यापार विश्व में किन प्रदेशों से है?

उत्तर : एशिया और ओशनिया।

प्रश्न 17. चैन्नई पत्तन के दबाव को कम करने के लिए विकसित किए गए समुद्री पत्तनों के नाम लिखिए। (CBSE-2016)

उत्तर : एन्नोर और तूतीकोरिन

प्रश्न 18. देश विभाजन के समय कौन से दो पत्तन हमारे देश से अलग हो गये थे?

उत्तर : कराची (पाकिस्तान)
चिटगाँव (बांग्लादेश)

प्रश्न 19. भारत के सबसे बड़े समुद्री पत्तन का नाम बताइए?

उत्तर : मुम्बई।

प्रश्न 20. भारत के पूर्वी तट पर स्थित नदीय पत्तन का नाम लिखिये।

उत्तरः कोलकाता

प्रश्न 21. भारत में बड़ी यात्रा में पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के आयात का एक कारण स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः यह ईंधन तथा औद्योगिक कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया गया है।

प्रश्न 22. आर्थिक सर्वे रिपोर्ट 2011–12 के अनुसार भारत के सबसे बड़े दो व्यापारिक साझेदार देशों के नाम लिखिए।

उत्तरः संयुक्त अरब अमीरात व चीन।

प्रश्न 23. कांडला पत्तन के विकास के किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तरः I) देश के पश्चिमी एवं उत्तर पश्चिमी भाग की जरूरतों को पूरा करने तथा
ii) मुम्बई पत्तन पर दबाव को घटाने के लिए।

प्रश्न 24. 1961 के बाद मर्मागाओं समुद्री पत्तन ने किस प्रकार महत्ता प्राप्त की है?

उत्तरः जापान को लौह–अयस्क के निर्यात का निपटज्ञन करने के लिए किया गया पुनप्रतिरूपण तथा कोंकण रेलवे द्वारा इसके पृष्ठ प्रदेश में विस्तार के कारण महत्तायें वृद्ध हुई है।

लघुउत्तरीय प्रश्न (तीन अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 25. भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए?

उत्तर : (i) भारत का विदेशी व्यापार सदा ही प्रतिकूल रहा है। (ii) आयात का मूल्य निर्यात के मूल्य से सदा ही अधिक रहा है। विश्व के सभी देशों के साथ भारत के व्यापारिक संबंध है। (iii) वस्त्र, अयस्क व खनिज, हीरे आभूषण तथा इलेक्ट्रानिक वस्तुएँ भारत के मुख्य निर्यात है। पेट्रोलियम हमारे देश का सबसे बड़ा आयात है।

प्रश्न 26. पृष्ठ प्रदेश किसे कहते हैं? **(CBSE-2011, 2016)**

उत्तर : **पृष्ठ प्रदेश** :– (i) वह क्षेत्र जो इसकी सेवा करता है तथा इससे सेवा प्राप्त करता है बन्दरगाह का पृष्ठप्रदेश कहलाता है। (ii) पृष्ठ प्रदेश की सीमाओं का सीमांकन मुश्किल होता है क्योंकि यह क्षेत्र सुस्थिर नहीं होता। (iii) अधिकतर मामलों में एक पत्तन का पृष्ठ प्रदेश दूसरे पत्तन के पृष्ठ प्रदेश का अतिव्यापन कर सकता है।

प्रश्न 27. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन की क्या भूमिका है? तथा प्रमुख हवाई अड्डों के उदाहरण दो।

उत्तर : (I) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

(ii) वायु परिवहन द्वारा लम्बी दूरी तक ले जाने के लिये उच्च मूल्य वाले या नाशवान सामानों को कम से कम समय में ले जाने व निपटाने में सुविधा होती है।

(iii) **हवाई अड्डे** :– वर्तमान समय में देश ने 12 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा 112 घरेलू हवाई अड्डे हैं। जैसे– दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता, गोवा आदि।

प्रश्न 28. भारत के निर्यात में परम्परागत वस्तुओं के निर्यात में कमी आई है।' इस कथन की पुष्टि उचित उदाहरणों से कीजिए।

उत्तर : (i) भारत के निर्यात में परम्परागत वस्तुओं के निर्यात में कमी आई है। कृषि उत्पादों के अन्तर्गत कॉफी, मसाले, चाय व दालों जैसी परम्परागत वस्तुओं के निर्यात में गिरावट आई है।

(ii) जिसका मुख्य कारण है – कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा। इस क्षेत्र में श्रीलंका हमारा प्रमुख प्रतिस्पर्धा है।

(iii) वस्त्रोद्योग क्षेत्र में भी भारत पर्याप्त उपलब्धि नहीं प्राप्त कर सका। इसमें चीन व अन्य पूर्व एशियाई देश हमारे प्रमुख प्रतिस्पर्धी है।

प्रश्न 29. मुम्बई पत्तन देश को सबसे बड़ा पत्तन है, कैसे?

उत्तर : 1) यह एक प्राकृतिक बन्दरगाह है, जहां गहरे जल के कारण बड़े–बड़े जहाजों के लिए सुरक्षित सुविधाएं हैं।

2) यह पत्तन मध्यपूर्व, भूमध्य सागरीय देशों, उत्तरी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोप के देशों के सामान्य मार्ग के निकट है।

3) यह भारत का एक महत्त्वपूर्ण औद्योगिक व व्यापारिक केन्द्र है।

प्रश्न 30. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से देश कैसे लाभ प्राप्त करते हैं? वर्णन कीजिए।

उत्तर : (i) आज की जटिल अर्थव्यवस्था से बड़े से बड़ा राष्ट्र भी पूर्णतया

आत्मनिर्भर नहीं हो सकता है। प्रत्येक देश में कुछ वस्तुएं उसकी आवश्यकता से अधिक है तो कुछ वस्तुएं कम होती है।

(ii) इस प्रकार प्रत्येक देश अपनी आवश्यकता से कम वस्तुएं आयात करता है तथा अधिक वस्तुओं का निर्यात करता है, जिससे सभी देशों की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

(iii) किसी देश की आर्थिक उन्नति उसके अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर काफी हद तक निर्भर करती है।

प्रश्न 31. पत्तनों को ''अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार'' क्यों कहते हैं?

उत्तर :
- समुद्री पत्तन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन्हें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार कहते हैं।
- पत्तन जहाज के लिए गोदी, सामान, उतारने लादने तथा भंडारण की सुविधाएं प्रदान करते हैं।
- पत्तन अपने पृष्ठ प्रदेशों से वस्तुएं इकट्ठा करने का काम करते हैं, जहां से उन वस्तुओं को अन्य स्थानों पर भेजा जाता है।

प्रश्न 32. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिये भारत में कई प्रयास किये। ऐसे किन्हीं तीन प्रयासों का उल्लेख करें।

उत्तर : भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रारूप लगातार बदलता रहा है। स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् हमारे वैदेशिक व्यापार मूल्य में काफी वृद्धि हुई है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए किए गए प्रमुख प्रयास हैं :–

1) भारत सरकार द्वारा उद्योगों में उदारीकरण की नीति को अपनाया गया।
2) विनिर्माण के क्षेत्र में अत्याधिक विकास।
3) भारत का विश्व व्यापार संगठन का सदस्य बनना।
4) बाजारों की विविधरूपता।

प्रश्न 33. विभाजन के कारण बड़ी हानि के बावजूद स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारतीय पत्तन निरन्तर वृद्धि कर रहे हैं।'' इस कथन की पुष्टि उदाहरणों सहित कीजिए।

उत्तर : 1) देश के विभाजन से भारत के दो महत्त्वपूर्ण पत्तन अलग हो गए। कराची पत्तन पाकिस्तान में चला गया और चिटगाँव बांग्लादेश में।

इस क्षतिपूर्ति के लिए अनेक नए पत्तनों को विकसित किया गया जैसे पश्चिम में कांडला व पूर्व में हुगली नदी पर कोलकाता के पास डायमण्ड हार्बर।

2) स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से भारतीय पत्तन निरन्तर वृद्धि कर रहे हैं। आज भारतीय पत्तन विशाल मात्रा में घरेलू के साथ–साथ विदेशी व्यापार का निपटान कर रहे हैं।

3) पत्तनों का लगातार विकास व पत्तनों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पत्तनों के समकक्ष बनाने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

4) आज भारतीय पत्तनों की नौभर निपटान क्षमता लगातार बढ़ गई है और इसका क्षेत्र पत्तनों के आधुनिकीकरण को जाता है।

प्रश्न 34. 'कोलकाता पत्तन को ब्रिटिश भारत की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था किन्तु अब उसने एक पत्तन के रूप में अपनी सार्थकता काफी हद तक खो दी है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 1) कोलकाता को ब्रिटिश भारत की राजधानी होने के प्रारंभिक लाभ प्राप्त थे।

2) यह पत्तन हुगली नदी द्वारा लाई गाद की समस्या से जूझता रहा है।

3) विशाखापत्तनम प्रायद्वीप और अनुषंगी पत्तन हल्दिया की ओर निर्यात के अधिक परिवर्तन के कारण इस पत्तन ने काफी हद तक अपनी सार्थकता खो दी है

प्रश्न 35. भारत के व्यापार की दिशा का वर्णन कीजिये।

उत्तर : 1) भारत के व्यापार की दिशा में रोचक परिवर्तन हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका जो 2003–2004 में भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझीदार था 2011–2012 में वह खिसक कर तीसरे स्थान पर आ गया।

2) 2008–2009 से 2010–2011 तक संयुक्त अरब अमीरात (UAE) पहले स्थान पर तथा चीन दूसरे स्थान पर है।

3) भारत इसके अतिरिक्त पश्चिम यूरोप के देशों यू.के., बेल्जियम, इटली, फ्राँस स्विटजरलैण्ड आदि के साथ महत्वपूर्ण व्यापारिक सम्बन्ध बनाये हुये है।

4) कनाडा, रूस, ९ एशिया व अफ्रीकी देशों के साथ भी भारत के निरन्तर व्यापारिक सम्बंध है।

प्रश्न 36. निम्नलिखित तालिका का अध्ययन करके दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए –

भारत का निर्यात संघटन 1997–2011 (% में)

वस्तुएं / माल	1997–98	2003–04	2009–10	2010–11
कृषि एवं समवर्गी उत्पाद	11.93	11.8	10.0	9.9
अयस्क एवं खनिज	3.03	3.71	4.9	4.80
विनिर्मित वस्तुएं	75.83	75.96	67.4	68.0
पेट्रोलियम व अपरिष्कृत उत्पाद	1.01	5.59	16.2	16.8
अन्य वस्तुएँ	1.2	2.94	1.5	1.2

1) सबसे अधिक वृद्धि 1997–98 से 2011 के मध्य किस वस्तु के निर्यात में हुई?

2) सबसे अधिक गिरावट 1997–98 से 2010–11 में किस निर्यात में आयी?

3) वह कौन सी वस्तु है जिसके निर्यात में 1997–98 से 2009–10 तक निरन्तर वृद्धि होने के बाद अचानक 2010–11 में कमी आ गयी।

उत्तर : 1) पेट्रोलियम एवं अपरिष्कृत उत्पादों में।

2) विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात में।

3) अयस्क एवं खनिज के निर्यात में।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (पांच अंक वाले प्रश्न)

प्रश्न 37. स्वतंत्रता के बाद से भारत के आयात व निर्यात संघटन के बदलते प्रारूप की समीक्षा कीजिए।

उत्तर : भारत के आयात संघटन के बदलते प्रारूप :

- 1950–1960 के दशक के खाद्यान्नों की कमी के कारण आयात की प्रमुख वस्तुएँ खाद्यान्न, पूंजीगत माल, मशीनरी व उपस्कर आदि थे।
- 1970 के दशक के बाद हरित क्रान्ति के कारण खाद्यान्नों का आयात रोक दिया गया और पैट्रोलियम पदार्थो का आयात बढ़ गया।

- इसके बाद औद्योगिकरण के बाद पूंजीगत वस्तुओं के आयात में वृद्धि हुई। भारत के आयात की अन्य वस्तुएँ हैं – स्वर्ण, चाँदी धातु–छीजन व इलेक्ट्रोनिक वस्तुएँ।

भारत के निर्यात संघटन के बदलते प्रारूप :

- 1950–1960 के दशक में अयस्क खनिजों व निर्मित सामानों का निर्यात किया गया।
- कॉफी, मसाले, चाय व दालों जैसी परम्परागत वस्तुओं का निर्यात घटता गया।
- 2003–04 में इंजीनियरिंग सामानो के निर्यात में महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई। मणि–रत्नों व आभूषणों की भी निर्यात में व्यापक हिस्सेदारी है।

पढ़िए एवं विस्तृत रूप में लिखिए

प्रश्न 38. आयात व निर्यात के मूल्यों में अन्तर बढ़ने से भारत का व्यापार सन्तुलन विपक्ष में हो गया है। इसके कारणों की समीक्षा कीजिए।

उत्तर :
- विश्व स्तर पर मूल्यों में वृद्धि
- विश्व बाजार में भारतीय रूपए का अवमूल्यन
- उत्पादन में धीमी प्रगति
- घरेलू उपयोग में वृद्धि
- विश्व बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा

प्रश्न 39. भारत एक कृषि प्रधान देश होने के बावजूद भी खाद्य तेल व दालों का आयात क्यों करता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
1) अधिक जनसंख्या के कारण बढ़ती मांग।
2) दालों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता कम होगा।
3) अन्य फसलों की तुलना में कम लाभ देने वाली फसलें होने के कारण।
4) भारतीय व्यंजनों में अधिक खाद्य तेल का उपयोग।

क्रियाकलाप आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. इन्टरनेट की सहायता से भारत के प्रमुख पत्तनों के चित्र एकत्र कीजिए तथा समुद्री पत्तन व वायु पत्तनों पर होने वाले कार्यों के विडियो देखिए।

प्रश्न 2. भारत पेट्रोलियम पदार्थो पर एक भारी धनराशि इन्हें आयात करने पर करता है तथा भारत में निजी वाहनों में यह सबसे ज्यादा प्रयोग होता है। पेट्रोलियम पदार्थों की खपत कम करने में क्या प्रयास सम्भव हो सकते हैं? चर्चा कीजिए।

संकेत :–

1) सार्वजनिक वाहन सुविधा
2) अत्याधुनिक इंजिन तकनीक
3) अनावश्यक मार्ग अवरूद्ध
4) निजी वाहनों के लिये कठोर नियम
5) वाहनों में वैकल्पिक ऊर्जा कठोर नियम
6) जनजागरूकता अभियान